


| | | |
|---|--|---|
|  सत्यमेव जयते | राजस्थान राजपत्र विशेषांक | RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary |
| | साधिकार प्रकाशित | Published by Authority |
| | भाद्र 19, मंगलवार, शाके 1946-सितम्बर 10, 2024 <i>Bhadra 19, Tuesday, Saka 1946 September 10, 2024</i> | |

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, जुलाई 23, 2024

संख्या प. 2(39)वन/2024 :-चूंकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पत्तिया हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है और चूंकि ऊपर कथित वनभूमि या बंजर भूमि को सरकार राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अन्तर्गत संरक्षित वन के रूप में घोषित करने का विचार रखती है।

यह की वर्णित पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं

यह कि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना एवं उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका रहेगी।

अतः राजस्थान वन अधिनियम 1953 (1953 का अधिनियम सं 13) की धारा 29 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की जाच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है और ऐसी जांच साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि इस अधिनियम की धारा 6,7,8,10,11(2), 12,13,14,17,18 एवं 19 में प्रावहित है।

और इस अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में राजस्थान सरकार ऊपर कथित जांच एवं अभिलेख के विचारार्थ रहते] कथित वनभूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा संरक्षित (Protected) वन के रूप में घोषित करती है परन्तु इससे व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी और न ही उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और इस अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेत्तर अनुसरण में सरकार यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये

है इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से आरक्षित हो जावेंगे और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा किसी भी प्रकार की वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि की खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य प्रयोजनार्थ वन की सफाई करना या वनभूमि को खण्डित किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

| क्र.स. | ब्लाक नाम | तहसील नाम | जिला | दिशा | दिशावार सीमा विवरण | राजस्व ग्राम | विवरण | | | वि.वि |
|--------|-------------------|-----------|--------|--------|-----------------------|--------------|-----------|-----------|-------------------|---------------------------------------|
| | | | | | | | खसरा नंबर | क्षेत्रफल | खसरा नंबर | |
| 1 | क्षतिपूर्ति गडिया | पिण्डवाडा | सिरोही | उत्तर | राजस्व गांव कालूम्बरी | गडिया | 152 | 41.6572 | गैर मू. पहाड मगरी | भूमि प्रत्यावर्तन में प्राप्त हुई है। |
| | | | | दक्षिण | वनखण्ड रामेश्वर | | | | | |
| | | | | पश्चिम | राजस्व गांव गडिया | | | | | |
| | | | | पूर्व | ढांगा | | | | | |
| | | | | | कुल क्षेत्रफल | | | 41.6572 | | |

(प्रेम प्रकाश)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
पिण्डवाडा (सिरोही)

(कस्तूरी प्रशांत सूले IFS)
उप वन संरक्षक
सिरोही

वनखण्ड क्षतिपूर्ति गडिया
द्वितीय अनुसूची

प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची

| क.स. | बोटनिकल नाम | हिन्दी नाम |
|------|--------------------|--------------|
| 1 | Prosopis Juliflora | विलायती बबूल |
| 2 | Butea monosperma | प्लास |
| 3 | Azadiracta indica | नीम |

(प्रेम प्रकाश)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
पिण्डवाड़ा (सिरोही)

(कस्तूरी प्रशांत सूले IFS)
उप वन संरक्षक
सिरोही

प्रमाण पत्र

वनखण्ड - क्षतिपूर्ति गडिया

रेन्ज - पिण्डवाडा

वनमण्डल - सिरोही

- 1 प्रारूप में दर्शाई गई भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबन्दी में राजकीय वन विभाग जंगलात के नाम से दर्ज है। इस भूमि पर वन द्वारा वानिकीय विकास कार्य करवाये गये हैं तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
- 2 विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में प्रथम दृष्टता में खातेदारों के अलावा अतिक्रमण भी किया हुआ है।
- 3 प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है जिन पर वानिकीय विकास कार्य किये गये हैं एवं भविष्य में किये जाने की संभावना है।
- 4 प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.2 से 0.4 तक का है एवं इन क्षेत्रों में मुख्य विलायती बबूल नीम प्लास प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़ियाँ हैं।
- 5 प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वनविभाग के अधीन है। विभागाधीन भूमियों का विकास कार्यों में उपयोग हो रहा है।
- 6 प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न है।
- 7 पूर्व में खसरावार भूमि का मौके पर सुविज्ञ रूप से सीमाज्ञान नहीं होने कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान के पश्चात् नये प्रस्ताव प्रारूप बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
- 8 इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।
- 9 उक्त भूमि माईन्स आफ केलसाईट एण्ड वोलेस्टोनाईट बेलका पहाड माईन्स प्रस्ताव संख्या एफपी/आरजे/माइन/177/1996 क्षेत्रफल 41.6572 हैक्टर वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण हेतु इस वन मण्डल को आवंटित की गयी।
- 10 खसरा संख्या 103,104,105, 152/3, 152/7 152/4, 152/8, 81 एवं 82 वर्तमान में खातेदारों के नाम पर दर्ज है जिसकी जमाबंदी इस पत्रावली के संलग्न कर दी गई है।

(प्रेम प्रकाश)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
पिण्डवाडा (सिरोही)

(कस्तूरी प्रशांत सूले IFS)
उप वन संरक्षक
सिरोही

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।